ROHTAS MAHILA College SASARAM

27-04-2020

Department History - Subsidiary

B.A. I

Dr. SATYAJET SARANG (2019-20)

[1.] प्राचीन भारतीय इतिहास के अध्ययन स्त्रोत :⟹

★ प्राचीन इतिहास जानने के निम्नलिखित तीन महत्वपूर्ण स्त्रोत है :—

1. पुरातात्विक स्त्रोत
2. साहित्यिक स्त्रोत
3. विदेशी यात्रियों के विवरण

पुरातात्विक स्त्रोत :—

प्राचीन भारत के अध्ययन के लिए पुरातात्विक सामग्रियाँ सर्वाधिक प्रामाणिक आदि आते हैं।

अभिलेख :⟹ पुरातात्विक स्त्रोतों के अन्तर्गत सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्त्रोत अभिलेख हैं। प्राचीन भारत के अधिकतर अभिलेख पाषाण, शिलाओं स्तम्भों, ताम्रपत्रों, दीवारों तथा प्रतिमाओं पर उत्कीर्ण है।

★ सर्वाधिक प्राचीन अभिलेख मध्यएशिया के बोगजकोई नामक स्थान से लगभग 1400 ई०पू० में मिले है। इस अभिलेख में इन्द्र, मित्र वरुण और नासत्य आदि वैदिक देवताओं के नाम मिलते हैं।

भारत में सबसे प्राचीन अभिलेख अशोक के हैं जो 300 ई० पू० के लगभग है। मास्की, गुर्जरा, निट्टूर एवं उदेगोलाम से प्राप्त अभिलेखों में अशोक के नाम का स्पष्ट उल्लेख है। इन अभिलेखों से अशोक के धर्म और राजत्व के आदर्शों पर पर्याप्त प्रकाश पड़ता है।

★ अशोक के अधिकतर अभिलेख ब्राह्मी लिपि में है।
वे केवल उत्तरी पश्चिमी भारत के कुछ अभिलेख खरोष्ठी लिपि में हैं।
खरोष्ठी लिपि फारसी लिपि की भांति दाईं से बाईं की ओर लिखी जाती है।

★ सर्वप्रथम 1837 में जेम्स प्रिंसेप ने ब्राह्मी लिपि में लिखित अशोक के अभिलेखों को पढ़ा था।

★ सिक्के ⟹
सिक्के के अध्ययन को मुद्राशास्त्र कहते हैं है। पुराने सिक्के तांबा, चांदी, सोना और सीसा धातु के बनते थे।

★ आरम्भ सिक्कों पर चिन्ह मात्र मिलते हैं किन्तु बाद के सिक्कों पर राजाओं और देवताओं के नाम तथा तिथियाँ भी उल्लिखित मिलती है।

Dr. Satyajeet Sarang
27.4.2020
History

3

मूर्तियाँ : ⟹ प्राचीन काल में मूर्तियों का निर्माण कुषाण काल से आरम्भ होता है
कुषाण, गुप्त तथा गुप्तोत्तर काल में निर्मित मूर्तियों के विकास में जन सामान्य की धार्मिक भावनाओं का विशेष योगदान रहा है।
कुषाण कालीन गान्धार कला पर विदेशी प्रभाव है जबकि मथुरा कला पूर्णत: स्वदेशी है।

स्मारक एवं भवन : ⟶
प्राचीन काल में महलों और मंदिरों की शैली से वास्तुकला के विकास पर पर्याप्त प्रकाश पड़ता है।
उत्तर भारत के मंदिर 'नागर शैली', दक्षिण के 'द्राविड़ शैली', तथा दक्षिणा पथ में मंदिर 'वेसर शैली' में है।

☆ दक्षिण पूर्व एशिया व मध्य एशिया से प्राप्त मंदिरों तथा स्तूपों से भारतीय संस्कृति के प्रसार पर प्रकाश पड़ता है।

☆ **चित्रकला :**
चित्रकला से हमें उस समय के जीवन के विषय में जानकारी मिलती है।
अजन्ता के चित्रों में मानवीय भावनाओं की सुन्दर अभिव्यक्ति मिलती है।